रशियन कलाकार करगे शहर के लोगों को मन्त्रमुग्ध

करनाल २७ अक्तूबर: सारे विश्व म ब्रह्माकुमारी संस्था की गतिविधियाँ एक ईश्वर, एक विश्व परिवार के संदेश को फैलाने के लिए समर्पित ह। जब हम दुनिया को अलग-अलग संस्कृतियों, राष्ट्रों, एतिहासिक व भौगोलिक परिस्थितियों म देखग तो इस तरह की विविधताओं म एकता लाना एक सपना मात्र होगा। लेकिन अगर हम भौतिक पहचानों से उपर उठ जाएं और हरेक मनुष्य को चाहे वह किसी भी संस्कृति या किसी भी धम की पृष्ठभूमि का हो, को उसके आध्यात्मिक स्वरूप म देखगे तो यह सिद्धान्त- हम एक ह और एक ईश्वर के ह, की अनुभूति कराने म सहायक होगा। तभी हम खुशी, प्यार, शान्ति व आनन्द को हदों से उपर उठ कर बांट सकगे। इस तरह की आत्मिक स्वरूप की भावना लोगों के दिलों को जोडने का काम करेगी।

यह विचार रशिया के सैन्ट पीटरसवग शहर म ब्रह्माकुमारी संस्था की निदेशिका बी. के. सन्तोष दीदी ने ब्रह्माकुमारी आश्रम, सै1टर ७ म पत्रकारों से बातचीत करते हुए व्यक्त किए। आज बी. के. सन्तोष दीदी और रशिया से आए डिवाईन लाईट कलचर ग्रुप के कलाकारों का करनाल आगमन पर भव्य अभिनन्दन किया गया। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय २८ व २९ अक्तूबर को सै1टर १२, हुड्डा ग्राउँड म संस्था क ी ८०वीं वषगाँठ पर रशियन कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कायक्रम आयोजित कर रहा है। यह कायक्रम दोनों दिन सांय ५-०० से ७-३०0 बजे तक निशुल्क देखे जा सकते ह।

ब्रह्माकुमारी संस्था के क्षेत्रीय निदेशिका बी. के. बी के प्रेम दीदी ने बताया कि विविधता म एकता कायक्रम म रशियन लोक नृत्य बालेट, भिन्न भिन्न धुनों पर इन्द्रधनुष की प्रस्तुति, रशियन गायकों द्वारा हिन्दी व पंजाबी गीत, भरत नाटयम व अन्य सांस्कृतिक गतिविधियॉ आकषण का केन्द्र होंगी। कायक्रम म रशिया के मशहूर रॉक सिंगर अलबट असादूलोन पंजाबी गीत - ये देश है वीर जवानों का, अलबेलों का मस्तानों का, पर समां बांधेग। वह पिछले ८ सालों से ब्रह्माकुमारी संस्था से जुड़े हुए ह।
डिवाईन लाईट ग्रुप के दूसरी सदस्या लियुडमिला खोटूलेवा बचपन से भारत की संस्कृति व कलासिकल नृत्यों के प्रति रूचि रखती ह और बिलारस म भरत नाटयम डांस स्टूडियों की निदेशिका ह। वह भारत की संस्कृति के प्रति स6मान व्यक्त करने के लिए 1लासिकल भारतीय ढंग से अपने नृत्य प्रस्तुत करगी।

ब्रह्माकुमारी सन्तोष दीदी जो पिछले ३५ सालों म रशिया म रहकर भारत की आध्यात्मिक संस्कृति का प्रचार प्रसार कर रही ह ने आगे कहा कि विश्व म भिन्न भिन्न संस्कृतियों को

जोडऩे के लिए संस्था ने रशिया म डिवाईन लाईट कलचर ग्रुप बनाया है, जो अपने संगीत, गीत व नृत्य व स्कोटस के माध्यम से विविधता म एकता का सन्देश देने का काय काफी समय से कर रहा है। इसके सदस्य अलग अलग शैक्षणिक व व्यवसायिक क्षेत्रों के युवा ह जो ब्रह्माकुमारी संस्था के द्वारा सिखाये जो रहे आध्यात्मिक नियमां का अपनी रोजमरा की जिन्दगी म पालन करते ह। यह सभी कलाकार हर साल भारत आते ह तथा भारत के लोगां के प्रति इनका अथाह प्यार व स6मान है।
उन्हांने बताया कि यह कलचरल गुरप रशिया व भारत म अलग अलग स्थानां पर जाकर स्वणिम सतयुगी संसार के लिए आध्यात्मिक चेतना लाने का काय कर रहा है। इस गुरप के द्वारा अलग अलग संास्कृतिक, धामिक व आथिक पृष्ठभूमि के लोगां को एकता के सूत्र म पिरोने के सपने को साकार किया जा रहा है। हम एक ह और एक ईश्वर की सन्तान ह का सन्देश यह कलाकार आगामी २ दिनां तक शहर के लोगां तक अपनी कला के माध्यम से पहूॅँचाएंगे।

बी के पे्रम दीदी
श्ेत्रीय प्रमुख

--
भारतीय संस्कृति के रंग म रंगे ब्रह्माकुमारीज़ के रशियन कलाकार

करनाल २९ अक्तूबर: दूसरे दिन भी सै1टर १२, हुड्डा ग्राउँड म ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक कायक्रम म दिल म भारत के प्रति प्यार भरकर आए रशिया के कलाकारां द्वारा गीत, संगीत व नृत्य द्वारा रंग जमाया गया। एक से बढ़कर एक प्रस्तुति म कला के माध्यम से भारतीय संस्कृति को सराहा गया। भारतीय परिधान साड़ी पहने रूसी युवतियां ने भारत प्रेम से ओत प्रोत गीत- जहां डाल डाल पर सोने की चिडिय़ा करती है बसेरा वह भारत देश है मेरा पर नृत्य प्रस्तुत कर दशकां को मेरा भारत महान का एहसास कराया । रशिया से आए २६ डिवाईन लाईट कलचर ग्रुप के कलाकारां द्वारा अनेक रंगा रंग गीत-संगीत व नृत्य प्रस्तुत किये गये।

रशिया के सैन्ट पीटरसवग शहर म ब्रह्माकुमारी संस्था की निर्देशिका बी. के. सन्तोष दीदी ने सांस्कृतिक कायक्रम म एंकरिंग करते हुए कहा कि जब हम दूसरां को इस नजर से देखते ह कि हर व्यक्ति अच्छा है तो संसार भी अच्छा हो जाता है। एक दो से नफरत ही सभी झगड़ां का मूल है, यह मेरा है वह तेरा है, यही सोचना भूल है। हम सब भगवान की बगिया के सुन्दर फूल ह। अगर हर भारत वासी अपने पाँच विकारां रूपी खोटे सिक्कां को दान म दे दे तो भारत फिर

से सोने का चिड़िया बन सकता है। रोज च6मच भरकर खुशी का खुराक खाय तथा सवेरे उठकर पाँच मिनट शान्ति के सागर परमात्मा के पास बैठकर खुद को याद दिलाय कि आज से झगड़ा या नफरत नहीं केवल मुझे शान्ति म रहना है।

इस मौके पर सरदार 4ा1शीश सिंह (विधायक असन्ध), श्रीमति सुमन मÞजरी आइ जी हरियाणा, , ब्रह्माकुमारी संस्था के क्षेत्रीय प्रमुख बी के पे्रम दादी, ब्रह्माकुमारी संस्था के कला एवं संस्कृति विभाग के क ोर्डिनेटर बी के दयाल जी, बी. के. सन्तोष दादी, बी के मेहर चंद व बी. के. पुष्पा दादी (कै थल इन्चाज) ने भी अपने विचार र2ो ।
ब्रह्माकुमारी संस्था के क्षेत्रीय निर्देशिका बी. के. पे्रम दादी न कहा कि बुराईयां किसी को भी अच्छी नहीं लगती तो 1यों न हम अपने जीवन से बुराईयों को खत्म करने का संकल्प कर।
झलकियाँ
विविधता म एकता को समर्पित इस सांस्कृतिक कायक्रम म रूस के नौजवानों ने जब मशहूर पंजाबी गीत अज सारयां नू भंगडा पान दो, नाले खुशी मनाईये पर भंगड़ा किया तो सभागार म मौजूद सभी लोग नाचने पर मजबूर हो गए। राधे कृष्ण के रूप म सजी रूसी युवतियाँ परियों से कम नहीं लग रही थी।
रशिया के मशहूर रॉक सिंगर अलबट असादूलोन ने मॉ तूझे सलाम, वन्दे मातरम का गाना पेश किया तो सभा म मौजूद महिलाओं का आँख नम हो गई। परमात्मा शिव को याद करने का तरफ इशारा करता गीत सत्यम शिवम सुन्दरम रूसी पॉप गायक के द्वारा सुनकर लोग भक्ति भाव म लोन हो गए। अलबट असादूलोन ने गीत - है प्रीत जहां की रीत सदा म गीत वहां के गाता हूॅँ, भारत का रहने वाला हूँ, भारत की बात सुनाता हूँ, सुनाकर भारत के गौरवमय इतिहास का गुनगान किया।
इस मौके पर दशकों को अनेक रशियन गीतों व विभिन्न नृत्यों को देखने व सुनने का अवसर भी मिला। हम सब एक ह और एक ईश्वर की सन्तान ह को दशाता रूस और पंजाब के मिलेजुले नृत्य का नजारा तो देखते ही बन रहा था जिसे सभी ने सराहा। कलाकारों ने अपनी रशियन भाषा म भी अनेक गीत गाये। सदा मुस्कराने पर आधारित एक रशियन गीत का सार था-कि सदा खुश रहो, मुस्कराते रहो और खजाना खुशी का लुटाते रहो, गाते रहो, गुनगुनाते रहो, मिलन प्यारे प्रभू से मनाते रहो।

ओम शान्ति का पैगाम देता गीत शान्ति का जब आएगा सवेरा, दूर हो जाएगा अन्धेरा, लोगो सुनलो ये सन्देश मेरा ने सबको भावुक कर दिया। विश्व एकता का पाठ पढ़ाता गीत सबका मालिक एक फिर बंटा हुआ 1यों संसार है, सच पूछो तो सारी दुनिया अपना ही परिवार है, ने नफरत छोड़ प्यार व भाईचारा लाने के लिए प्रेरित किया। पवित्र मन रखो, पवित्र तन रखो,

पवित्रता हो मनुष्यता का शान है, जो मन वचन कम से पवित्र है वह चरित्रवान हो यहां महान है द्वारा मन वचन कम का शुद्धता का बात का गई।

बी के प्रेम दादी

श्रेत्रीय प्रमुख